MARJ-05

December - Examination 2018

M.A.(Final) Rajasthani Examination

प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी काव्य

Paper - MARJ-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : औ पेपर खण्ड 'अ' 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ो है। खण्ड 'अ' मे साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में निबन्धात्मक सवाल दियौड़ा है।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्डरा सगळां सवाल करणा जरूरी है। सबद सीमा अेक सबद, अेक वाक्य या अधिकतम 30 सबद है।

1) (i) 'बीसलदेव रासो' काव्य रा रचनाकार अर सम्पादक रो नांव लिखो।

(ii) 'कान्हड़दे प्रबन्ध' कितरा खण्डा में विभाजित है लिखो।

(iii) ढोला रै पिता रो नांव अर किण प्रदेस रा भूपति हा लिखो।

(iv) वेलि रै पद्यां री संख्या कितरी है बताओ।

(v) 'हालां–झालां री कुण्डलियां' काव्य रै युद्ध रा नायक कुण हा नांव लिखो।

(vi) बांकीदास आशिया री दोय रचना रा नांव लिखो।

(vii) 'रणमहल छंद' काव्य में वर्णित जुह रो समय (तारिख) लिखो।

(viii) पृथ्वीराज राठौड़ ओजस्वी वाणी में पत्र किण नै लिख्यौ।

खण्ड – ब **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचे लिख्यां सवाला मांय सूं किणी चार सवालां रौ पड़ूतर दिरावो। सबद सीमा 200 सबद है।

2) प्राचीन राजस्थानी साहित्य रै उद्‌भव अर विकास नै समझावौ।

3) 'ढोला मारुरा दूहा' रचना रो कथासार आपणे सबदा मांय लिखो।

4) 'बीसलदेव रासो' काव्य री भाव पख री दीठ सूं समीक्षा करो।

5) 'रणमहल छंद' रचना रै नामक रणमहल राठौड़ री चारित्रिक विसेसतावां नै उजागर करो।

6) 'हालांझालां री कुण्डलियां' काव्य री काव्यगत विसेसतावां नै सोदाहरण स्पष्ट करो।

7) खण्ड काव्य री दीठ सूं 'वेलि क्रिसन रुकमणी' काव्य री समीक्षा करो।

8) 'कान्हड़दे प्रबन्ध' अेक वीर रसात्मक काव्यकृति है उदाहरण समेत समझावो।

9) जुनी राजस्थानी रै किणी दो रचनाकार अर उणरी रचनावां माथै टिप लिखो।

खण्ड – स **$2 \times 16 = 32$**

(निबन्धनात्मक प्रश्न)

निर्देश : नीचै लिख्यां सवालां मांय सूं कोई दोय सवाल करणा है। सबद सीमा ५०० सबद है।

10) 'ढोला मारु रा दूहा' रचना अेक विरह परख रचना है? इण कथन री पुस्टि उदाहरण समेत करो।

11) 'वेलि क्रिसन रुकमणी री' काव्य रै काव्य सौण्ठव री परख उदाहरण सागै करो।

12) वीर काव्य रे सरूप में 'हालां झालां रा कुण्डलियां' काव्य री विसेस्तावां रो उदाहरण सागै वरणाव करो।

13) 'बीसलदेव रासो' काव्य रो कथा सार लिखता थकां इण री अैतिहासिकता सिद्ध करो।